विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है, बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

जेन जी पीढ़ी है जालसाजों की आसान शिकार

यह अपने आप में आश्चर्य जनक पर सत्यता भरा निष्कर्ष है कि सामान्य लोगों की तुलना में आज की पीढ़ी ठगी का अधिक शिकार हो रही है। वैश्विक आंकड़ों के अनुसार आम आदमी की तुलना में जेन जी के युवा तीन गुणा अधिक फ्राड के शिकार हो रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है सोशियल मीडिया पर सर्वाधिक समय जेन जी की पीढ़ी ही दे रही है। 1996 से 2010 के दौरान जन्म लेने वाले युवाओं को जेन जी के नाम से पुकारा जाने लगा है। दरअसल जेन जी की पीढ़ी और सोशियल मीडिया, इंटरनेट की दुनिया, एंड्रायड फोन, एक क्लिक में जानकारी व सुविधाओं की उपलब्धता, वास्तविक गुरु से भी अधिक गुगल गुरु पर विश्वास, मोबाईल से खरीददारी का लुत्फ, मोबाईल से भुगतान की सुविधा और सब्जी की दुकान से पांच रुपए की सब्जी, गली के वेंडर से लेकर बड़ी से बड़ी खरीददारी से लेकर हजारों की खरिददारी की सुविधा और वो भी घर बैठे इसका लुत्फ उठाने की आजादी ने युवा पीढ़ी को अधिक प्रभावित किया है। रही–सही कसर कोरोना के कारण ऑन लाईन पढ़ाई और वर्क फ्राम होम ने पूरी कर दी। इससे लोगों को मोबाईल की लत इस तरह से लग गई कि लोग बिंज वाचिंग का शिकार होते जा रहे हैं। यह एक नए तरह का नशा हो गया है और इसमें लोग सोशियल मीडिया से जुड़े किसी भी प्लेटफार्म पर आने वाले लुभावने विज्ञापनों सहित विभिन्न प्रकार के ऑफर्स के चक्कर में तत्काल आ जाते हैं। हालात यह हो गए हैं कि आज डिजीटल अरेस्ट जैसी घटनाएं आम होती जा रही है और सबसे अधिक मजे की बात यह कि पढ़ें–लिखे और समाज में उंचे पदों पर बैठे व सम्मानित लोग ही डिजिटल अरेस्ट के अधिक शिकार हो रहे हैं।

मोबाईल से खरीददारी का आदेश देना नए जमाने का नए तरह का नशा है। ड्रग्स की भाषा में बात करें तो यह डिजिटल ड्रग्स है और किसी अन्य नशें से इसका नशा किसी भी तरह से कमतर नहीं है। मेडिकल की भाषा में कहा जाएं तो यह एक तरह की वो बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। बिंज वाचिंग शब्द पहली बार 2003 में चलन में आया पर 2013 में यह अधिक लोकप्रिय हुआ। कोरोना काल में खासतौर से लॉकडाउन के कालखण्ड में बिंज वाचिंग और भी अधिक पांव पसारने में सफल रही। देखा जाए तो दूसरे नशों की तरह ही इस तरह की लत व्यक्ति के दिमाग पर सीधा असर करती है। इसके चलते व्यक्ति में एकाकीपन, चिडचिड़ापन अनिद्रा, दैनिक व्यवहार में बदलाव यहां तक कि डिप्रेशन के हालात तक होने लगे हैं। जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज मायागंज अस्पताल के मनोरोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक भगत के अनुसार अब तो सप्ताह में सात से आठ नए मरीज आने लगे हैं। साइकोसोमैटिक डिसआर्डर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है।

मोबाईल से खरीददारी का आदेश देना नए जमाने का नए तरह का नशा है। ड्रग्स की भाषा में बात करें तो यह डिजिटल ड्रग्स है और किसी अन्य नशें से इसका नशा किसी भी तरह से कमतर नहीं है। मेडिकल की भाषा में कहा जाएं तो यह एक तरह की वो बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। हालात यह हो गए हैं कि आज डिजीटल अरेस्ट जैसी घटनाएं आम होती जा रही है और सबसे अधिक मजे की बात यह कि पढ़ें-लिखे और समाज में उंचे पदों पर बैठे व सम्मानित लोग ही डिजिटल अरेस्ट के अधिक शिकार हो रहे हैं।

खैर यह तो अलग बात हुई पर जिस तरह के जालसाजों के जाल में फंसने का सवाल है जेन जी के युवा अधिक आसानी से लपेटे में आ रहे हैं। इसका बड़ा कारण तीन से चार घंटे तक सोशियल मीडिया पर सक्रिय रहना हैं। डेलाइट की एक रिपोर्ट की माने तो जेन जी के युवा अन्य की तुलना में तीन गुणा ज्यादा जालसाजों के शिकार इसलिए हो रहे हैं कि आज की पीढ़ी तोल मोल के भाव पर विश्वास ही नहीं करती। आसानी से ऑनलाईन ऑफरों/प्रपोजल्स के जाल में फंस जाती है और किसी भी खरीद या निवेश पर जो अध्ययन किया जाना चाहिए या यों कहें कि जो जानकारियां जुटाई जानी चाहिए, उनके पास समय ही नहीं होता। यही कारण है कि डिजीटल दुनिया के जालसाज सोशियल मीडिया पर बड़े ही आकर्षक तरीके से अपने प्रस्ताव या अपने उत्पाद को प्रदर्शित करते हैं कि व्यक्ति उसके जाल में फंस जाता है। यहां तक कि साइबर ठगी का शिकार होने के साथ ही साथ कई बार तो अपनी जमा पूंजी से भी हाथ धो बैठता है। ऐसे में आज की युवा पीढ़ी को सोशियल मीडिया पर आ रहे प्रस्तावों पर गंभीरता से सोच–विचार कर ही निर्णय करना चाहिए। कारण साफ है लिंक के बाद लिंक के जाल में हमारी सारी जानकारी ठगों तक आसानी से पहुंच जाती है और हम दूसरी तरह से भी शिकार का कारण बन सकते हैं। इसलिए जेन जी को सोशियल मीडिया के साइड इफेक्ट्स को भी समझना होगा। व्यवहार करने से पहले समझना भी होगा ताकि जालसाजों के जाल से बच सकें और किसी भी अप्रिय घटना या दुर्घटना का शिकार ना हो सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 14 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 8:33 तक, शोभन योग सायं 6:17 तक, वणिज करण प्रातः 9:36 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मकर, मंगल–मिथुन, बुध–सिंह, गुरू–वृष, शुक्र–कन्या, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 8:33 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:33 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 9:31 से रात्रि 8:42 तक रहेगी। आज पक्ष एकादशी, जलझूलनी और परिवर्तिनी एकादशी व्रत है। आज डोल ग्यारय पर्व (जल विहार) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:47 से 9:19 तक, चर 12:22 से 1:54 तक, लाभ–अमृत 1:54 से 4:58 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:28

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन
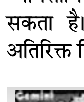
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

कर्क
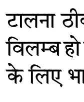
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
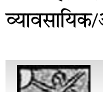
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
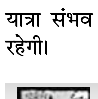
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
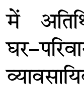
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
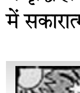
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

कुंभ
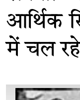
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है।

मीन
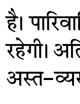
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को भाजपा द्वारा अनावश्यक महत्व

राजेन्द्र भाणावत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों और छात्रों के साथ संवाद में दिए गए उनके उत्तरों को भारतीय जनता पार्टी ने, जाने–अनजाने, चाहे अनचाहे,अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है । भाजपा के रणनीतिकारों को समझना होगा कि किसी साधारण व्यक्ति की गलत बात को भी जितना तूल दिया जाएगा, उतना ही अधिक, उस व्यक्ति का कद, जनता में बढ़ जायेगा।

यदि भाजपा, राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों पर इतनी अधिक आक्रामक टिप्पणियां नहीं करती, तो संभव है, अधिकांश लोगों को पता ही नहीं लगता कि राहुल गांधी अमेरिका गए भी थे। उनकी यात्रा का जितना अधिक प्रचार–प्रसार भाजपा ने कर दिया है, उतना तो बहुत धन राशि खर्च करके भी कांग्रेस नहीं कर पाती। आज का युग मीडिया का है। राजनीति में, किसी भी सही या ग़लत कारण से, यदि कोई चर्चा में बना रहे, तो उसका उद्देश्य पूरा हो जाता है।

पाठकों को स्मरण होगा, कुछ साल पहले 'ओनिडा' टी वी का विज्ञापन आता था, जिसमें एक बड़े गिरगिट को दिखाया जाता था। यह विज्ञापन भय और घृणा का भाव उत्पन्न करता था। इसके बड़े–बड़े होर्डिंग हर प्रमुख चौराहे पर दिखाई देते थे। उस विज्ञापन को देखकर ओनिडा टीवी के प्रति घृणा अवश्य उत्पन्न होती थी, किंतु विभिन्न टीवी कंपनियों के विज्ञापनों के बावजूद, आज भी याद वही विज्ञापन रहता है। यह आश्चर्य की बात है कि प्रचार–प्रसार का यह मूल सिद्धांत, भाजपा कैसे ध्यान नहीं रख पा रही है?

भाजपा का यह कहना भी कोई महत्व नहीं रखता कि राहुल गांधी के द्वारा यदि यह बयान देश में जाता तो कोई आपत्ति नहीं थी, किंतु विदेश में दिया गया है, इसलिए आपत्तिजनक है। आज के संचार क्रांति के युग में, आप विश्व के किसी भी स्थान पर कोई भी बात कहें, उसे विश्व के किसी भी कोने में पहुंचने में कुछ क्षण ही लगते हैं।

चर्चा, राहुल गांधी द्वारा कही गई बात पर होनी चाहिए न कि, इस पर कि, उन्होंने वह बात कहां कही है? भारतीय जनता पार्टी को राहुल गांधी द्वारा दिए गए वक्तव्य की बाल की खाल निकालनी चाहिए थी और वस्तु स्थिति जनता के सामने रखनी चाहिए थी। उसने ऐसा नहीं किया और बवाल इस बात पर मचाया गया कि उन्होंने विदेशी धरती पर जाकर ऐसा कहा है।

इस प्रकार की आपत्ति करके, भाजपा ने एक प्रकार से, कांग्रेस को ऑक्सीजन देने का ही काम किया है। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को बैठे बिठाए, यह अवसर दे दिया है कि वह प्रधानमंत्री के द्वारा विदेशों में दिए गए उनके विभिन्न भाषणों के अंशों का वीडियो जारी करें कि किस प्रकार प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए नरेंद्र मोदी ने भारत की और भारतीयों की खिल्ली उड़ाई थी। यदि राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयानों को बार–बार उद्धिरत नहीं किया जाता तो शायद प्रधानमंत्री के उन बयानों को कभी का भुला दिया गया होता। ऐसा करके, कांग्रेस ने गेंद पुनः भाजपा के पाले में डाल दी है।

एक कहावत है, "बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा?" भारतीय जनता पार्टी की पूरी कोशिश कुछ समय से, विशेषकर लोकसभा चुनाव के बाद, राहुल गांधी को बदनाम करने की रही है। इससे जितना मीडिया का स्थान राहुल गांधी के हिस्से में आ रहा है, उतना शायद कांग्रेस के लोग भी नहीं ला पाते। इस प्रकार के नेताओं से निपटने का सबसे अच्छा तरीका तो यही होता है कि उन्हें नज़रंदाज़ कर दिया जाय। यदि भाजपा नेता ऐसा कर पाते तो राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा ही लोगों को याद नहीं रहती।

कुछ टीवी चैनलों पर यह भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी के भारत लौटने पर, उनके विरुद्ध देशद्रोह का मुकदमा चलाया जा सकता है और उन्हें गिरफ्तार करने की भी कार्यवाही की जा सकती है। यदि वास्तव में ऐसा किया गया तो सत्ताधारी दल द्वारा स्वयं अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा और एक महत्वहीन व्यक्ति को अति महत्वपूर्ण बनाने जैसा हो जाएगा।

लोग तो यहां तक कह रहे हैं यदि राहुल गांधी को सरकार ने गिरफ्तार किया तो उनका कद अचानक बहुत बढ़ा कर, महात्मा गांधी जैसा कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि इसका श्रेय भारतीय जनता पार्टी को अधिक जाएगा। अंग्रेजी शासको ने भी कई बार यह गलती की और क्रांतिकारियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों को प्रताड़ित किया और जेल में डाला। ऐसा करने से उनके आंदोलन को और बल मिला।

इस संदर्भ में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का उदाहरण भी दिया जा सकता है । संभव है, केजरीवाल जितना लाभ जेल में रहकर आम आदमी पार्टी को पहुंचा रहे हैं, उतना शायद बाहर आकर नहीं पहुंचा पाते। अब भी यदि सरकार और सत्ताधारी दल आप के नेता अरविंद केजरीवाल और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को इतना महत्व देना बंद कर दें, तो चुनाव की दृष्टि से उनके लिए कहीं अधिक लाभकारी सिद्ध होने की संभावना है। जितना अधिक उनके बारे में बयान बाजी करेंगे, उतना ही वे, उन्हें मीडिया में बनाए रखेंगे और राजनीति में मीडिया में बने रहना ही नेताओं के लिए सबसे बड़ी प्राणवायु है। जो काम कांग्रेस के नेता नहीं कर पा रहे हैं वह काम भारतीय जनता पार्टी के नेता उनके लिए कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी की हैसियत ऐसे बना दी जैसे उन्हें भारतीय जनता पार्टी से भी अधिक सीटें प्राप्त हुई हों। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को केवल 99 सीटें प्राप्त हुई हैं और भारतीय जनता पार्टी को 240, अर्थात् कांग्रेस की लगभग अढ़ाई गुणा।

आशा है, भारतीय जनता पार्टी के नेता गण इस गलती को सुधारेंगे तथा राहुल गांधी को अनावश्यक इतना अधिक महत्व देना बंद करेंगे।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के विकास की होती है : जगदीप धनखड़

किशनगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक अपनी मां के नाम पौधारोपण किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक खरनाल तेजाजी के मंदिर में वीर तेजाजी महाराज की पूजा–अर्चना की।

- **राष्ट्रवाद हमारा लक्ष्य है, हमें सदैव अपनी जिम्मेदारियों को याद रखना चाहिए : उपराष्ट्रपति**
- **उपराष्ट्रपति धनखड़ पत्नी के साथ अजमेर और नागौर यात्रा पर पहुंचे**

अजमेर/नागौर, (कासं)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं होती बल्कि देश के विकास की होती है इसे हमें पूरी निष्ठा के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा लक्ष्य है, हमें सदैव अपनी जिम्मेदारियों को याद रखना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को अजमेर और नागौर यात्रा पर पहुंचे। इस दौरान धनखड़ पहले किशनगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रही। स्वागत के बाद उपराष्ट्रपति ने अपनी मां के नाम पौधारोपण किया और फिर विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद किया।

धनखड़ ने "विकसित भारत 2047 में उच्च शिक्षा की भूमिका" पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए है और इसे हमें पूरी निष्ठा के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रवाद की भावना को सर्वोपरि रखने का आव्हान किया और कहा कि अगर हमारे भारत को कोई सुई भी चुभती है तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होता है। धनखड़ ने नाम लिए बिना राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान हालिया बयानों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ भटके हुए लोग भारतीय संविधान की शपथ के बाद भी राष्ट्रवाद से दूर हैं।

हमारा लक्ष्य है राष्ट्रवाद और हमें अपनी जिम्मेदारियों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई भारतीय देश से बाहर जाता है, तो वह देश का राजदूत बनकर जाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के बिना विकसित भारत का सपना मुमकिन नहीं। हमें रोजाना कुछ नया सीखना चाहिए और अपने अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने रोजगार के विभिन्न साधनों की भी चर्चा की और कहा कि केवल सरकारी नौकरियां ही रोजगार का जरिया नहीं हैं, आज कई अन्य विकल्प भी उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में धनखड़ ने विश्वविद्यालय के कुलपति से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को दिल्ली आने का निमंत्रण दें, ताकि वे संसद, भारत मंडपम और प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा कर सकें। अपने संबोधन के बाद उपराष्ट्रपति ने स्थानीय सरपंचों और ग्रामीणों से भी मुलाकात की और उन्हें दिल्ली आने का निमंत्रण दिया।

सुरसुरा में वीर तेजाजी धाम पर किए दर्शन :–उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक सुरसुरा में तेजाजी महाराज के दर्शन किए वे मंदिर में कुछ देर रुके और पूजा–अर्चना की।

उपराष्ट्रपति तेजाजी महाराज के जन्म स्थली खरनाल में तेजाजी मंदिर पहुंचे : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपत्नीक तेजाजी महाराज के जन्म स्थली खरनाल में तेजाजी मंदिर पहुंचकर लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के दर्शन किए और देश की सर्वांगीण खुशहाली की कामना की। उपराष्ट्रपति ने सपत्नीक मंदिर में वीर तेजाजी महाराज की पूजा–अर्चना की। मंदिर प्रबन्धन की ओर से उपराष्ट्रपति धनखड़ का स्वागत करते हुए तेजाजी महाराज की तस्वीर एवं प्रसाद भेंट कर अभिनन्दन किया गया।

उपराष्ट्रपति ने तेजाजी मंदिर परिक्षेत्र में मंदिर प्रबन्धन से जुड़े पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा क्षेत्रवासियों से चर्चा की। इस दौरान भाजपा उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने उपराष्ट्रपति महोदय धनकड़ को साफ़ा व उनकी पत्नी को शाल ओढ़ाकर अभिवादन किया। मेलार्थियों के अभिवादन का उपराष्ट्रपति ने हाथ हिलाकर प्रत्युत्तर दिया। उपराष्ट्रपति तेजाजी महाराज की जन्मस्थली खरनाल में लगभग एक घण्टा रुकने के उपरान्त दोपहर बाद हैलीपेड के लिए रवाना हुए, जहां से वायुसेना के विशेष विमान से उन्होंने दोपहर लगभग 2.15 बजे सुरसुरा (अजमेर) के लिए प्रस्थान किया, जहां तेजाजी महाराज की निर्वाण स्थली है। हैलीपेड पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, पूर्व विधायक मोहनराम चौधरी, रिछपाल मिर्धा, श्रीराम भींचर, जिला भाजपा अध्यक्ष रामनिवास सांखला, रेवंतराम डांगा, पांचला सिध्दा महंत सूरजनाथ महाराज, जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित, पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस मौजूद रहे।

सांवलियाजी सेठ का जलझूलनी एकादशी मेला प्रारंभ

- **शोभायात्रा निकली उमड़े श्रद्धालु, आज निकलेगी सांवलियाजी सेठ की विशाल रथयात्रा**

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में जलझूलनी एकादशी का तीन दिवसीय मेला शुक्रवार को शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। मेले के प्रथम दिन तेजा दशमी पर्व पर भगवान श्री सांवलियाजी सेठ की शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से दोपहर दो बजे प्रारंभ हुई। शोभायात्रा का मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी राकेश कुमार एवं बोर्ड सदस्यों द्वारा भगवान सांवलिया सेठ की अगवानी कर मेले का श्री गणेश किया।

मंडफीया में बैवाण यात्रा की भक्तजनों ने अगवानी की।

शोभायात्रा में सजे–धजे घोड़े, ऊंट व हाथी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। इन पर केसरिया पोशाकों में बैठे पुजारी द्वारा चारों ओर गुलाल उड़ाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में विभिन्न बैंड बाजे, डीजे, ढोल, मांडल एवं हारमोनियम की मधुर धुनों में भक्त नाचते गाते भगवान सांवलिया सेठ के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर सर्वत्र वातावरण कृष्ण भक्ति में ओत–प्रोत हो गया। इस शोभायात्रा में कस्बे के विभिन्न विद्यालयों की देव रूपी झांकियां शोभायात्रा की अलग ही शोभा बढ़ा रही थी। शोभायात्रा मंदिर परिसर से धीमी गति से बढ़ते हुए शिव मंदिर चौक पहुंची जहां बड़ी संख्या में महिला–पुरुष भक्तजन भगवान की प्रतिमा के दर्शन के लिए आतुर दिखाई दिए। इसके बाद शोभायात्रा गढ़ी के देवर के सामने से गुजरते हुए कबूतर खाना, ब्रह्मपुरी मोहल्ला एवं सदर बाजार होती हुई रात्रि आठ बजे पुनः मंदिर परिसर में पहुंची। शोभा यात्रा के मंदिर परिसर में पहुंचने के पश्चात मंदिर के मुख्य सिंहद्वार के सामने रंग बिरंगी भव्य आतिशबाजी हुई। जलझूलनी एकादशी शनिवार को भगवान श्री सांवलिया जी सेठ की विशाल रथ यात्रा दोपहर 12 बजे मंदिर परिसर से प्रारंभ होगी। रथयात्रा नगर भ्रमण करते हुए सांवलिया सरोवर पहुंचेगी। जहां भगवान की विधि विधान के साथ पूजा–अर्चना कर स्नान कराया जाएगा। इससे पूर्व एकादशी पर्व पर शनिवार को दोपहर 12 बजे मंदिर के शिखर पर हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा की जाएगी। मेले के उपलक्ष्य में भगवान सांवलिया सेठ के मंदिर में एवं कॉरिडोर को गुलाब, मोगरा व गेंदें के ताजा फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा मंदिर एवं कॉरिडोर फूलों की खुशबू से महक रहा है।

मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मेले की तैयारीयां का जायजा लेने चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर आलोक रंजन गुरुवार रात्रि नौ बजे सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रभारी शर्मा ने बताया कि कलेक्टर आलोक रंजन ने भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन कर मंदिर में भक्तों की दर्शन व्यवस्था एवं एकादशी पर निकलने वाले चांदी के रथ का व अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण कर दिशा निर्देश प्रदान किए। इस मौके पर भदेसर उपखंड अधिकारी विजयेश कुमार पांडेय, नायब तहसीलदार घनश्याम जरवाल, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, सुरक्षा प्रभारी भेरु गिरी गोस्वामी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।